4. हर्षवर्धन के जीवनकाल पर बाणभट्ट के उपयोगीताओं का असर :

हर्षवर्धन के जीवनकाल पर कोई खास या व्यापक असर देखने को नहीं मिलता बाणभट्ट की उपयोगीताओं के कारण। इसका एक कारण यह भी है की राजा हर्षवर्धन, हर्ष काल के अन्तिम शासक थे जिनकी कार्यकाल करीब 40 साल तक थी।

और दूसरी कारण यह था की बाणभट्ट की उपयोगीताओं को मद्देनजर देखा जाए तो बाणभट्ट कि मूल ख्याती राजा हर्षवर्धन से मिलने के बाद हुई, जो उन्हें दरबारी कवि का आश्रय दिया।

बाणभट्ट पर आधारित प्रश्न :

1. बाणभट्ट की उपयोगीता / ख्याती किसके राजकाल में उत्थान पर थी।?

उत्तर - हर्षवर्धन

2. हर्षवर्धन के जीवनकाल पर आधारित पुस्तक किसने लिखी।

उत्तर - बाणभट्ट

3. बाणभट्ट की पिता - माता का नाम :

उत्तर - पिता : चित्रभानु
माता : राजदेवी

4. बाणभट्ट के गुरू का नाम :

उत्तर - भत्सु या भर्वु

5. राजा हर्षवर्धन का समय काल या शासन काल क्या है।

उत्तर - (606 - 647) ई०

6. बाणभट्ट द्वारा रचित हर्षचरित कृति का मूल उद्देश्य क्या है।

उत्तर :- राजा हर्षवर्धन के चरित्र का वर्णन

7. बाणभट्ट के पिता की मृत्यु, बाणभट्ट के किस उम्र में हुई थी।

उत्तर : उस समय बाणभट्ट की उम्र महज 14 साल थी।

8. बाणभट्ट की शेष बचे काव्यों की पुनरावृती किसने की

उत्तर : उनके पुत्र भूषणभट्ट नें।